Scheme of Examination of B.A. (Hons.) Hindi
W.e.f. July 2012-13

Semester	**Paper No.**	**Nomenclature**	**Total Marks**	**Theory**	**Internal Assessment**	**Time**
Sem. I	Paper-I	Hindi Natak	100	80	20	3 Hrs.
	Paper-II	Bhasha Vigyan aur Hindi Bhasha	100	80	20	3 Hrs.
		Subsidiary	100	80	20	3 Hrs.
		Qualifying	100	80	20	3 Hrs.
Sem. II	Paper-III	Hindi Upanyas	100	80	20	3 Hrs.
	Paper-IV	Sahityalochan	100	80	20	3 Hrs.
		Subsidiary	100	80	20	3 Hrs.
		Qualifying	100	80	20	3 Hrs.
Sem. III	Paper-V	Madhyakalin Hindi Kavita	100	80	20	3 Hrs.
	Paper-VI	Adhunik Hindi Kavita	100	80	20	3 Hrs.
	Paper-VII	Kahani Sahitya	100	80	20	3 Hrs.
		Subsidiary	100	80	20	3 Hrs.
Sem.IV	Paper-VIII	Nibandh Sahitya	100	80	20	3 Hrs.
	Paper-IX	Sansmaran aur Atam Katha	100	80	20	3 Hrs.
	Paper-X	Hindi Sahitya ka Ithas (Adikal, Bhaktikal, Ritikal)	100	80	20	3 Hrs.
		Subsidiary	100	80	20	3 Hrs.
Sem. V	Paper-XI	Hindi Sahitya Ka Itihas (Adhunik Kal)	100	90	20	3 Hrs.
	Paper-XII	Patarkarita aur Anuvad	100	90	10	3 Hrs.
	Paper-XIII	Kavyayang Parichaya	100	90	10	3 Hrs.
		Subsidiary	100	90	10	3 Hrs.
Sem.VI	Paper-XIV	Nibandh Lekhan	100	90	10	3 Hrs.
	Paper-XV	Vishisht Kavi : Option-I : Kabirdas	100	90	10	3 Hrs.
	Paper-XV	Vishisht Kavi : Option-II : Surdas	100	90	10	3 Hrs.
	Paper-XV	Vishisht Kavi : Option-III : Nirala	100	90	10	3 Hrs.
	Paper-XV	Vishisht Kavi : Option-IV : Aghey	100	90	10	3 Hrs.
		Subsidiary	100	90	10	
	Paper-XVI	Vishisht Lekhak : Option-I : Upnayaskar Prem Chand	100	90	10	3 Hrs.

	Paper-XVI	Vishisht Lekhak : Option-II : Natakkar Jai Shankar Parsad	100	90	10	3 Hrs.
	Paper-XVI	Vishisht Kavi : Option-III : Nibandhkar Acharya Ram Chander Shukal	100	90	10	3 Hrs.
		Subsidiary	100	90	10	

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)

जुलाई २०१२

बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)

प्रथम सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००

लिखित परीक्षा : ८० अंक

आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

पहला प्रश्नपत्र : हिन्दी नाटक

क -- पाठ्यक्रम में निर्धारित नाटक

१ मिस्टर अभिमन्यु : लक्ष्मीनारायण लाल

२ शम्बूक : जगदीश गुप्त

ख -- पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

'मिस्टर अभिमन्यु'

१ 'मिस्टर अभिमन्यु' नामकरण की सार्थकता

२ 'मिस्टर अभिमन्यु' में राष्ट्रीयता की भावना

३ 'मिस्टर अभिमन्य' की पात्र–योजना

४ 'मिस्टर अभिमन्यु' नाटक में इतिहास एवं कल्पना का समन्वय

५ 'मिस्टर अभिमन्यु' की अभिनेयता

६ लक्ष्मीनारायण लाल का साहित्यिक परिचय

शम्बूक

१ 'शंबूक' का प्रतिपाद्य

२ 'शंबूक' की पात्र–योजना

३ 'शंबूक' का काव्य–रूप

४ 'शंबूक' की प्रासंगिकता

५ जगदीश गुप्त का साहित्यिक परिचय

निर्देश :

१ पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निधारित दोनों पाठ्य पुस्तकों में से चार–चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से दो–दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा ।

३ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

४ दोनों पाठ्य पुस्तकों एवं उन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)

जुलाई २०१२

बी०ए० ऑनर्स (हिंदी)

प्रथम सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

दूसरा प्रश्नपत्र : भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा

खंड-१

भाषा की परिभाषा
भाषा की प्रकृति
भाषा की व्यावहारिक व्यवस्था
भाषा–अध्ययन की दिशाएँ

खंड-२

पश्चिमी हिंदी की बोलियों (ब्रज, कौरवी, हरियाणवी, कन्नौजी, बुंदेली) का परिचय
पूर्वी हिंदी की बोलियों (अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी) का परिचय
मानक हिंदी की विशेषताएँ

खंड-३

हिंदी स्वर एवं व्यंजन ध्वनियों का सामान्य परिचय
हिंदी शब्दों का वर्गीकरण
हिंदी वर्तनी

खंड-४

हिंदी पद और पद– भेद
समस्त पद
अर्थ परिभाषा एवं शब्द–अर्थ–संबंध
अर्थ–परिवर्तन की दिशाएँ

खंड-५

नागरी लिपि का वर्तमान–स्वरूप
नागरी लिपि की विशेषताएँ
नागरी लिपि का मानकीकरण

निर्देश :

१ पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीघ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं । पूरा खण्ड ४० अंकों का होगा ।

२ पूरे पाठ्यक्रम में से दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को २०० शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न ५ अंक का होगा । पूरा खण्ड ३० अंकों का होगा ।

३ पूरे पाठ्यक्रम में से दस अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१३ से प्रभावी
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
द्वितीय सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

तीसरा प्रश्नपत्र : हिन्दी उपन्यास

क -- पाठ्यक्रम में निर्धारित उपन्यास

१ त्यागपत्र : जैनेन्द्र कुमार
२ महाभोज : मन्नू भण्डारी

ख -- पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

त्यागपत्र

१ 'त्यागपत्र' का मूल प्रतिपाद्य
२ 'त्यागपत्र' की पात्र–योजना
३ 'त्यागपत्र' की उपन्यास–कला
४ 'त्यागपत्र' की प्रासंगिकता
५ जैनेन्द्र कुमार का साहित्यिक परिचय

महाभोज

१ 'महाभोज' का उद्‌देश्य
२ 'महाभोज' की पात्र–योजना
३ 'महाभोज' नामकरण की सार्थकता
४ 'महाभोज' की उपन्यास–कला
५ मन्नू भण्डारी का साहित्यिक परिचय

निर्देश --

१ पाठ्यक्रम में निर्धारित दोनों पाठ्य पुस्तकों में से चार–चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से दो–दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पाच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ दोनों पाठय पुस्तकों एवं उन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय क लिए)
जनवरी २०१३
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
द्वितीय सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

चौथा प्रश्नपत्र : साहित्यालोचन

१ काव्य का स्वरूप, काव्य के तत्व, काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु

२ भारतीय काव्य सिद्धान्त : रस सिद्धान्त, अलंकार सिद्धान्त, रीति सिद्धान्त, वक्रोक्ति सिद्धान्त, ध्वनि सिद्धान्त, औचित्य सिद्धान्त ।

३ प्रमुख पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त : प्लेटो का काव्य सिद्धान्त, अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त, लोंजाइनस का उदात्त तत्व, कॉलरिज का कल्पना सिद्धान्त, रिचर्ड्स का संवेगो का संतुलन ।

४ विविध काव्यशास्त्रीय वाद : आभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, मार्क्सवाद, अभिव्यंजनावाद, मनोविश्लेषणवाद।

निर्देश :

१ पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ४० अंकों का होगा ।
२ पूरे पाठ्यक्रम में कोई दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को २०० शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न ५ अंक का होगा । पूरा खण्ड ३० अंक का हागा ।
३ पूरे पाठ्यक्रम में से दस अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

प्रस्तावित ग्रन्थ :

१ काव्यशास्त्र–भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
२ भारतीय काव्यशास्त्र–डॉ० सत्यदेव चौधरी, अलकार प्रकाशन, नई दिल्ली ।
३ काव्य के रूप–गुलाबराय, प्रतिभा प्रकाशन मंदिर, दिल्ली ।
४ भारतीय काव्यशास्त्र–योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जुलाई २०१२ से प्रभावी (म०द० विश्वविद्यालय में जुलाई २०११ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
तृतीय सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

पाँचवाँ प्रश्नपत्र : मध्यकालीन हिन्दी कविता

(क)-- भक्तिकालीन हिंदी कविता

भक्तिकाल के निम्नलिखित कवियों को पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है–

१ कबीरदास
निर्धारित पाठ्यपुस्तक–कबीर–आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
निर्धारित वाणी–संख्या–१, २, ८, २२, ३४, ३५, ३६, ४३, ५६, ६३, ६६, ७७, ७६, ८०, ८७, ६१, १०६, ११५, १२३, १२६, १३४, १३५, १४०, १४८, १६२ = २५

२ जायसी
निर्धारित पाठ्यपुस्तक– जायसी ग्रन्थावली : सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल
निर्धारित खण्ड : स्तुति खण्ड तथा नागमती वियोग खण्ड

३ सूरदास
निर्धारित पाठ्यपुस्तक–भ्रमरगीत सार : संपादक–रामचन्द्र शुक्ल
निर्धारित पद–७, १४, २१, २४, ३४, ३८, ४२, ५०, ५२, ६२, ६४, ८५, ८६, १००, ११३, ११४, ११५, १३६, १४१, १५६, १७१, १७२, १७६, १६०, २००=२५

४ तुलसीदास
निर्धारित पाठ्यपुस्तक : कवितावली (गीता प्रेस, गोरखपुर)
निर्धारित छंद : बालकाण्ड से – १, २, ३, ४, ५, ६, ७, १६
अयोध्याकाण्ड से –१, २, ११, १६, २२, २७
सुन्दरकाण्ड से – ५, १०
उत्तरकाण्ड से – ६, २८, ३१, ३७, ४४, ४६, ५७, ७१, ७८ कुल =२५

५ रैदास
निर्धारित पाठ्यपुस्तक : रैदास की बानी (प्रकाशक : बेलवीडियर प्रिंटिंग प्रेस, इलाहाबाद)
निर्धारित साखी – १–६
निर्धारित पद – ३, ४, ६, ७, ८, ६, १०, ११, १२, १६, १६, २२, ३२, ३४, ४०, ४२, ५०, ५५, ५६, ५७, ६६, ७०=२२

(ख)-- रीतिकालीन हिंदी कविता

रीतिकाल के निम्नलिखित कवियों को पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है–

१ केशवदास
२ देव
३ बिहारी
४ भूषण
५ घनानन्द

रीतिकाल पर प्रस्तावित पाठ्यपुस्तक (जिसका नामकरण पुस्तक निर्माण के साथ किया जायेगा) म०द० विश्वविद्यालय, रोहतक का हिंदी–विभाग तैयार करेगा । विभाग का दायित्व होगा कि पाठ्यक्रम प्रभावी होने से पूर्व वह पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों को उपलब्ध कराये ।

खण्ड-(ख) निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ भक्तिकाल पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ कबीर का समाज सुधारक रूप
२ कबीर की भक्तिभावना
३ सूर का वात्सल्य वर्णन
४ सूर का श्रृंगार वर्णन
५ तुलसी का समन्वयवाद
६ तुलसी की सार्थकता
७ जायसी का वियोग–वर्णन
८ पदमावत का महाकाव्यत्व
६ रैदास की भक्तिभावना
१० रैदास की सामाजिक चेतना

१ रीतिकाल पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ केशवदास का काव्य–वैशिष्ट्य
२ केशवदास का आचार्यत्व
३ देव का काव्य–वैशिष्ट्य
४ देव का अभिव्यक्ति–विधान
५ सतसई परम्परा में बिहारी सतसइ का स्थान
६ बिहारी की बहुज्ञता
७ भूषण के काव्य का प्रतिपाद्य
८ सिद्ध कीजिए कि भूषण युग प्रवर्त्तक कवि हैं ।
६ घनानन्द का प्रेम–निरूपण
१० घनानन्द के काव्य का कलापक्ष

निर्देश :

१ पाठ्यक्रम में निर्धारित भक्तिकालीन हिंदी कविता और रीतिकालीन हिंदी कविता में से चार–चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक खण्ड से (भक्तिकाल तथा रीतिकाल से) दो–दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक खण्ड से कम से कम एक

प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ भक्तिकालोन हिन्दी कविता तथा रीतिकालीन हिन्दी कविता एवं उन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से सात लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक खण्ड से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जुलाई २०१२ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जुलाई २०११ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
तृतीय सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

छठा प्रश्नपत्र : आधुनिक हिन्दी कविता

(क)-- **छायावादी हिंदी कविता**

निर्धारित पाठ्यपुस्तक

प्रसाद, निराला, पन्त, महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ--प्रस्तुतकर्त्ता : वाचस्पति पाठक
प्रकाशक–लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

निर्धारित कवि और उनको कविताएँ :

१ **जयशंकर प्रसाद**–हिमाद्रि तुंगश्रृंग से, जाग री, मेरे नाविक, संसृति के वे सुन्दरतम क्षण, आह! वेदना मिली विदाई, सौन्दर्य, कौन तुम ? संसृति–जलनिधि तीर, इतना न चमत्कृत हो बाले ।

२ **सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला**–भारती वन्दना, वसन्त आया, जागो फिर एक बार, बादल राग (१), बादल राग (२), बादल राग (६), ध्वनि, गहन है यह अन्धकारा, स्नेह निर्झर बह गया, सरोज–स्मृति ।

३ **सुमित्रानंदन पंत**–नौका विहार, चाँदनी, तप रे !, ताज, द्रुत झरो, यह धरती कितना देती है!, भारत माता, धेनुएँ ।

४ **महादेवी वर्मा**–धीरे–धीरे उतर क्षितिज से, जीवन विरह का जलजात, मैं बनी मधुमास आली !, मधुर–मधुर मेरे दीपक जल ! तुम मुझमें प्रिय ! फिर परिचय क्या !, मैं नीर भरी दुःख की बदली, पंथ होने दो अपरिचित, जब ये दीप थके, यह मन्दिर का दीप ।

(ख)-- **छायावादोत्तर हिंदी कविता**

निर्धारित कवि और उनकी कविताएँ :

१ **स० ही० वात्स्यायन अज्ञेय**

निर्धारित पुस्तक : अज्ञेय : सं० विद्यानिवास मिश्र

निर्धारित कविताएँ–आज थका हिय हारिल मेरा, मैंने देखा एक बूँद, पानी बरसा, बावरा अहेरी, सत्य तो बहुत मिले, नन्दा देवी–६, हिरोशिमा, सोन मछली, नदी के द्वीप, असाध्य वीणा।

२ **धर्मवीर भारती**

निर्धारित पुस्तक–सात गीत वर्ष : धर्मवीर भारती

निर्धारित कविताएँ–नवम्बर की दोपहर, उत्तर नहीं हूँ, संक्रांति, वैदिक वाणी, केवल तन का रिश्ता, उपलब्धि, निर्माण–योजना, एक वाक्य, टूटा पहिया, शाम–एक थकी लड़की

३ नागार्जुन

निर्धारित पुस्तक : नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ–सं० नामवर सिंह

निर्धारित कविताएँ–प्रतिबद्ध हूँ, सिंदूर तिलकित भाल, वह दंतुरित मुस्कान, चंदू मैंने सपना देखा, बादल को घिरते देखा, सोनिया समंदर, अकाल और उसके बाद, शासन की बंदूक, सत्य।

४ दुष्यन्त कुमार

निर्धारित पुस्तक : साये में धूप–दुष्यन्त कुमार

निर्धारित गज़लें–कहाँ तो तय था चिरागाँ हरेक घर के लिए, कैसे मंज़र सामने आने लगे हैं, ये सारा जिस्म झुककर बोझ से दुहरा हुआ होगा, भूख है तो सब्र कर, रोटी नहीं तो क्या हुआ, आज सड़कों पर लिखे हैं सैंकड़ों नारे न देख, जिन्दगानी का कोई मकसद नहीं है, बाढ़ की संभावनाएँ सामने हैं, पक गई हैं आदतें, बातों से सर होंगी नहीं, मैं जिसे ओढ़ता–बिछाता हूँ ।

५ कुँवर नारायण

निर्धारित पुस्तक–कुँवर नारायण : संसार–सं० यतीन्द्र मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

निर्धारित कविताएँ–सवेरा, मैं जानता हूँ, चक्रव्यूह, ये पंक्तियाँ मेरे निकट, जब आदमी–आदमी नहीं रह पाता, अब की अगर लौटा तो, कविता, कविता की जरूरत, अयोध्या, : १६६२, आठवीं मंजिल पर, पुनश्च ।

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों के साहित्यिक परिचय, कवियों की काव्य–संवेदना तथा अभिव्यक्ति–कौशल पर आधारित प्रश्न ही पूछे जाएंगे ।

निर्देश :

१ पाठ्यक्रम में निधारित छायावादी हिन्दी कविता तथा छायावादोत्तर हिन्दी कविता में से चार–चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक से दो–दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी। पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम म निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ दोनों खण्डों एवं उन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से सात लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक खण्ड से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य ह । प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जुलाई २०१२ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जुलाई २०११ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
तृतीय सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

सातवाँ प्रश्नपत्र : कहानी साहित्य

खण्ड-(क)- हिंदी कहानी

निर्धारित पाठ्यपुस्तक : बीसवीं शताब्दी की हिंदी कहानियाँ
(खण्ड–१ से १२ तक)–सम्पादक महेश दर्पण

निर्धारित कहानियाँ

१ शतरंज के खिलाड़ी – प्रेमचन्द : खण्ड –२ से
२ जाह्नवी – जैनेन्द्र : खण्ड – ३ से
३ डाची – अश्क : खण्ड – ३ से
४ परिन्दे – निर्मल वर्मा : खण्ड – ५ से
५ कस्बे का आदमी – कमलेश्वर : खण्ड – ५ से
६ खेल खिलौने – राजेन्द्र यादव : खण्ड – ५ से
७ लाल पान की बेगम – फणीश्वरनाथ रेणु : खण्ड – ५ से
८ अमृतसर आ गया – भीष्म साहनी : खण्ड – ७ से
९ बहिर्गमन – ज्ञानरंजन : खण्ड ७ से
१० आपकी छोटी लड़की – ममता कालिया : खण्ड ८ से
१० त्रिशंकु – मन्नू भण्डारी : खण्ड ८ से
११ अपना रास्ता लो बाबा – काशीनाथ सिंह : खण्ड –९ से
१२ अतिथि देवो भव – अब्दुल बिस्मिल्लाह : खण्ड – १० से
१३ मलबा – मंजुल भगत : खण्ड – १० से
१४ प्रमोशन – ओम प्रकाश वाल्मीकि : खण्ड – ११ से

खण्ड-(ख)

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

निर्धारित कहानीकारों का साहित्यिक परिचय, निर्धारित कहानियों का प्रतिपाद्य तथा कहानी कला पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे ।

निर्देश

१ पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों में से आठ अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ निर्धारित पाठ्यक्रम में से सात लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १० अंक का हागा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१३ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जनवरी २०१२ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
चतुर्थ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

आठवाँ प्रश्नपत्र : निबन्ध साहित्य

खण्ड-(क)-

१ **निर्धारित पाठ्यपुस्तक**

- निबन्ध निकष – सं० डॉ० रामचन्द्र तिवारी
  प्रकाशक–विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

निर्धारित निबन्ध-

१ साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है–बालकृष्ण भट्ट
२ कवियों की उर्मिलाविषयक उदासीनता–महावीरप्रसाद द्विवेदी
३ मजदूरी और प्रेम – अध्यापक पूर्ण सिंह
४ कछुआ धरम – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
५ भारत की सांस्कृतिक एकता – रामधारी सिंह दिनकर
६ चेतना का संस्कार – सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय
७ साहित्य में आत्माभिव्यक्ति – डॉ० नगेन्द्र
८ सौन्दर्य की वस्तुगत सत्ता और सामाजिक विकास–डॉ० रामविलास शर्मा

२ **निर्धारित पाठ्यपुस्तकें और निर्धारित निबन्ध :**

(i) **अशोक के फूल :** हजारीप्रसाद द्विवेदी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
इस पुस्तक से दो निबन्ध : १. अशोक के फूल
२. वसन्त आ गया

(ii) **वसंत आ गया** : विद्यानिवास मिश्र (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
इस पुस्तक से दो निबन्ध : १. अ़स्ति की पुकार–हिमालय
२. इन टूटे हुए दियों से काम चलाओ

(iii) **रस आखेटक** : कुबेरनाथ राय (भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली)
इस पुस्तक से दो निबन्ध : १. रस आखेटक
२. हरी हरी दूब और लाचार क्रोध

खण्ड-(ख)

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्धकारों के साहित्यिक परिचय, निर्धारित निबन्धों के प्रतिपाद्य तथा भाषा शैली पर आधारित प्रश्न ही पूछे जायेंगे ।

निर्देश :

१ पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्धों (वर्ग–१ तथा वर्ग–२) में से चार–चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दोनों वर्गों से दो–दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक वर्ग में स कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ दोनों वर्गों के निबन्धों एवं उन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से सात लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियो को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक वर्ग से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । पत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१३ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जनवरी २०१२ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
चतर्थ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे | कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

नौवाँ प्रश्नपत्र : संस्मरण और आत्मकथा

खण्ड-(क)-

निर्धारित पाठ्यपुस्तक

१ पथ के साथी – महादेवी वर्मा

२ क्या भूलूँ क्या याद करूँ (हरिवंशराय बच्चन की आत्मकथा : भाग–१)
राजपाल एण्ड संज, कश्मीरी गेट, दिल्ली ।

खण्ड-(ख)

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

- 'पथ के साथी' पर निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न
  १ महादेवी वर्मा का साहित्यिक परिचय
  २ पाठ्यपुस्तक में निर्धारित पाठों का प्रतिपाद्य और शिल्प

- 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' पर निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न
  १ बच्चन का साहित्यिक परिचय
  २ आत्मकथा लेखन की परम्परा
  ३ 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' का प्रतिपाद्य
  ४ 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' के आधार पर बच्चन का जीवन
  ५ आत्मकथा के निकष पर : 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ'

निर्देश

१ पाठ्यक्रम में निर्धारित दोनों पाठ्य पुस्तकों में से चार–चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से दो–दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या ६ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २४ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ दोनों पाठ्य पुस्तकों एवं उन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से सात लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१३ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जनवरी २०१२ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
चतुर्थ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

दसवाँ प्रश्नपत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल, भक्तिकाल तथा रीतिकाल)

आदिकाल :

१ हिन्दी साहित्येतिहास–लेखन की परम्परा
२ हिन्दी साहित्य : काल–विभाजन एवं नामकरण
३ आदिकाल का नामकरण
४ आदिकालीन हिन्दी कविता का परिवेश
५ आदिकालीन हिन्दी कविता की प्रवृत्तियाँ
६ रासो काव्य परम्परा
७ अमीर खुसरो की हिन्दी कविता

भक्तिकाल :

१ भक्तिकाल का प्रेरणास्रोत
२ निर्गुण काव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ
३ सूफी काव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ
४ कृष्ण काव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ
५ राम काव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ
६ भक्तिकाल की उपलब्धियाँ

रीतिकाल :

१ रीतिकाल का नामकरण
२ रीतिकाल की पृष्ठभूमि
३ रीतिकाव्य की प्रवृत्तियाँ
४ रीतिमुक्त काव्य की प्रवृत्तियाँ
५ रीतिकवियों का आचार्यत्व

निर्देश :

१ पूर पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं । पूरा खण्ड ४० अंकों का होगा ।

२ पूरे पाठ्यक्रम में दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को २०० शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न ५ अंक का होगा । पूरा खण्ड ३० अंकों का होगा ।

३ पूरे पाठ्यक्रम में से दस अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जुलाई २०१३ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जुलाई २०१२ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
पंचम सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ६० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

ग्यारहवाँ प्रश्नपत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

खण्ड-(क) आधुनिक काल : काव्य का इतिहास

१ आधुनिक हिन्दी साहित्येतिहास के अध्ययन की पूर्व पीठिका
२ भारतेन्दुयुगीन हिन्दी काव्य की प्रवृत्तियाँ
३ द्विवेदीयुगीन हिन्दी काव्य की प्रवृत्तियाँ
४ छायावाद की प्रवृत्तियाँ
५ प्रगतिवाद की प्रवृत्तियाँ
६ प्रयोगवाद की प्रवृत्तियाँ
७ नयी कविता की प्रवृत्तियाँ
८ समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ

खण्ड-(ख) आधुनिक काल : गद्य का इतिहास

१ हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास
२ हिन्दी एकांकी : उद्भव और विकास
३ हिन्दी निबन्ध : उद्भव और विकास
४ हिन्दी उपन्यास : उद्भव और विकास
५ हिन्दी कहानी : उद्भव और विकास
६ हिन्दी आलोचना : उद्भव और विकास
७ हिन्दी आत्मकथा : उद्भव और विकास
८ हिन्दी जीवनी : उद्भव और विकास

निर्देश :

१ पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए १२ अंक निर्धारित हैं । पूरा खण्ड ४८ अंकों का होगा ।
२ पूरे पाठ्यक्रम में दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को २०० शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न ५ अंक का होगा । पूरा खण्ड ३० अंकों का होगा ।
३ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जुलाई २०१३ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जुलाई २०१२ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
पंचम सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ६० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

बारहवाँ प्रश्नपत्र : पत्रकारिता और अनुवाद

खण्ड-(क) : पत्रकारिता

१ पत्रकारिता : परिभाषा और स्वरूप
२ समाचार : संकलन, स्रोत एवं संवाददाता
३ सम्पादन कला एवं संपादक मंडल
४ समाचार पत्रों के प्रमुख स्तम्भ : सम्पादकीय, फीचर लेखन, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, कार्टून
५ शीर्षक की संरचना एवं शीर्षक सम्पादन
६ पृष्ठसज्जा
७ प्रेस सम्बन्धी प्रमुख कानून एवं आचार संहिता

खण्ड-(ख) : अनुवाद विज्ञान

१ अनुवाद : परिभाषा एवं स्वरूप
२ स्रोतभाषा एवं लक्ष्यभाषा
३ अनुवाद : प्रक्रिया एवं प्रविधि
४ अनुवाद : विज्ञान या कला
५ अनुवादक के गुण
६ अनुवाद के प्रकार
७ अनुवाद का महत्व
८ काव्यानुवाद की समस्याएँ

निर्देश :

१ पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्यक प्रश्न के लिए १२ अंक निर्धारित हैं । पूरा खण्ड ४८ अंकों का होगा ।

२ पूरे पाठ्यक्रम में दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को २०० शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न ५ अंक का होगा । पूरा खण्ड ३० अंकों का होगा ।

३ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जुलाई २०१३ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जुलाई २०१२ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
पंचम सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

तेरहवाँ प्रश्नपत्र : काव्यांग--परिचय

निर्धारित विषय

खण्ड-(क) : काव्य-भेद

१ महाकाव्य २ खण्डकाव्य ३ गीतिकाव्य

खण्ड-(ख) : विविध गद्य विधाएँ

१ उपन्यास २ कहानी ३ नाटक ४ निबन्ध

खण्ड-(ग)

१ रस–रस का स्वरूप, रस के अवयव, रस के भेद तथा रसों का सोदाहरण परिचय
२ अलंकार : अलंकार का स्वरूप, अलंकार का महत्व, अलंकार–वर्गीकरण तथा प्रमुख अलंकारों का सोदाहरण परिचय–
अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अन्योक्ति, समासोक्ति, अतिशयोक्ति, सन्देह, विरोधाभास, विभावना, मानवीकरण ।
३ छंद–छंद का स्वरूप, छंदों का वर्गीकरण, प्रमुख छंदों का सोदाहरण परिचय–दोहा, चौपाई, बरवै, सोरठा, कुण्डलिया, छप्पय, सवैया, घनाक्षरी, स्वच्छंद अथवा मुक्तक छंद ।
४ काव्यगुण : परिभाषा और स्वरूप, काव्यगुण के भेद–प्रसाद, माधुर्य तथा ओजगुण ।
५ शब्द शक्तियाँ : परिभाषा एवं स्वरूप, भेद–अभिधा, लक्षणा और व्यंजना ।

निर्देश

१ पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए १२ अंक निर्धारित हैं । पूरा खण्ड ४८ अंकों का होगा ।
२ पूरे पाठ्यक्रम में दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को २०० शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न ५ अंक का होगा । पूरा खण्ड ३० अंकों का होगा ।
३ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१४ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जनवरी २०१३ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
षष्ठ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ६० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

चौदहवाँ प्रश्नपत्र : निबन्ध-लेखन

निबन्ध हेतु निर्धारित विषय

खण्ड-(क) : साहित्यिक और सामान्य निबन्ध

१ साहित्य और समाज
२ राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान
३ समाजसधारक कबीर
४ लोकनायक तुलसीदास
५ भक्तिकाल : स्वर्णयुग
६ छायावाद
७ प्रगतिवाद
८ प्रयोगवाद
९ रहस्यवाद
१० भ्रष्टाचार : कारण और निवारण
११ राष्ट्रनिर्माण में नारी का योगदान
१२ हिन्दी का विश्वव्यापी स्वरूप
१३ पर्यावरण और हम
१४ मानवाधिकार
१५ भूमण्डलीकरण

खण्ड-(ख) : सूक्तिपरक निबन्ध

१ अहिंसा परमोधर्मः
२ नर हो न निराश करो मन को
३ दादा न भैया, सबसे बड़ा रूपैया
४ जहाँ चाह, वहाँ राह
५ परहित सरिस धरम नहिं भाई
६ मजहब नहीं सिखाता, आपस में बैर रखना
७ जीओ और जीने दो
८ निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल
९ दैव–दैव आलसी पुकारा
१० मनुष्य है वही जो मनुष्य के लिए मरे

निर्देश :

पाठ्यक्रम में निर्धारित खण्ड क तथा ख में से चार–चार निबन्ध पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक खण्ड से एक–एक निबन्ध लिखना होगा । प्रत्येक निबन्ध ४५–४५ अंकों का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१४ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जनवरी २०१३ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
षष्ठ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

नोट : पन्द्रहवाँ प्रश्नपत्र विकल्पों का है । निम्नलिखित चार विकल्पों में से किसी एक विकल्प का चयन विद्यार्थियों को करना होगा । चारों विकल्प इस प्रकार हैं-

पन्द्रहवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट कवि : विकल्प-१ : कबीरदास
पन्द्रहवाँ प्रश्न पत्र : विशिष्ट कवि : विकल्प-२ : सूरदास
पन्द्रहवाँ प्रश्न पत्र : विशिष्ट कवि : विकल्प-३ : कवि निराला
पन्द्रहवाँ प्रश्न पत्र : विशिष्ट कवि : विकल्प-४ : कवि अज्ञेय

पन्द्रहवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट कवि : विकल्प-१ : कबीरदास

खण्ड-(क) : निर्धारित पाठ्यपुस्तक : कबीर ग्रन्थावली-संपादक : डॉ० श्यामसुन्दरदास
निर्धारित साखी तथा पद

साखी - गुरूदेव कौ अंग, सुमिरण कौ अंग, बिरह कौ अंग, चितावणी कौ अंग ।

पद - १, २, ३, ११, १६, २१, २३, २४, ३२, ३३, ३४, ३७, ३८, ३६, ४०, ४१, ४२, ४३, ४४, ४५, ४६, ४६, ५०, ५१, ५२, ५३, ५४, ५५, ५६, ५७, ६०, ६१, ६३, ६४, ६५, ७८, ७६, ८०, ८४, ८६, ६१, ६२, ६६, १००, १११, ११३, ११४, ११७, १२०, १२६=५०

खण्ड-(ख) : निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

कबीर का युग
कबीर का जीवन
कबीर का साहित्य
कबीर की सामाजिक चेतना
कबीर की दार्शनिक चेतना
कबीर की मानवतावादी चेतना
कबीर की भक्ति भावना
कबीर का रहस्यवाद
कबीर की भाषा
कबीर का कलापक्ष
कबीर–साहित्य में प्रमुख पारिभाषिक शब्द : उन्मनि, नाद, बिन्दु, आकाश ।

निर्देश --

१ निर्धारित पाठ्यपुस्तक/रचनाओं में से व्याख्या के लिए ८ अवतरण दिये जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या

७ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २८ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ निर्धारित साखी और पद एवं कबीर पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१४ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जनवरी २०१३ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
षष्ठ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ६० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

पन्द्रहवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट कवि : विकल्प-२ : सूरदास

खण्ड-(क) : निर्धारित पाठ्यपुस्तक

भ्रमरगीत सार – संपादक–रामचन्द्र शुक्ल
पद संख्या – २१ से १२१ तक =१०१ पद

खण्ड-(ख) : निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

सूर का युग
सूर का जीवन
सूर का साहित्य
सूर का वात्सल्य वर्णन
सूर का श्रृंगार वर्णन
सूर की भक्तिभावना
सूर का सौन्दर्यबोध
सूर की दार्शनिक चेतना
सूर का प्रकृति चित्रण
सूर की गीति योजना
सूर की काव्य भाषा

निर्देश --

१ निर्धारित पाठ्यपुस्तक/रचनाओं में से व्याख्या के लिए ८ अवतरण दिये जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ७ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २८ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ पाठयक्रम मे निर्धारित पदो तथा सूर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न २० अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न बारह अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१४ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जनवरी २०१३ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
षष्ठ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

पन्द्रहवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट कवि : विकल्प-३ : कवि निराला

खण्ड-(क) : निर्धारित पाठ्यपुस्तक

राग–विराग : संपादक–रामविलास शर्मा

खण्ड-(ख) : निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

निराला का युग
निराला का जीवन
निराला की काव्य–कृतियाँ
निराला : बहु वस्तु स्पर्शिनी प्रतिभा के कवि
निराला की राष्ट्रीय चेतना
निराला का मानवतावादी दृष्टिकोण
निराला की प्रगतिशील चेतना
निराला की लम्बी कविताएँ : संवेदना और शिल्प
निराला की गीति योजना
निराला की काव्य भाषा
निराला का मुक्तछंद
निराला की भाषा
निराला का अभिव्यक्ति सौष्ठव

निर्देश --

१ निर्धारित पाठ्यपुस्तक/रचनाओं से व्याख्या के लिए ८ अवतरण दिये जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ७ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २८ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं तथा निराला पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न २० अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१४ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जनवरी २०१३ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
षष्ठ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

पन्द्रहवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट कवि : विकल्प-४ : कवि अज्ञेय

खण्ड-(क) : निर्धारित पाठ्यपुस्तक

अज्ञेय : सम्पादक – विद्यानिवास मिश्र

खण्ड-(ख) : निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

अज्ञेय का जीवन
अज्ञेय का युग
अज्ञेय की काव्य कृतियाँ
प्रयोगवादी काव्य परम्परा में अज्ञेय
असाध्यवीणा : संवेदना और शिल्प
अज्ञेय की काव्य–संवेदना
अज्ञेय का प्रकृति वर्णन
अज्ञेय की काव्य भाषा
अज्ञेय का शिल्प विधान

निर्देश --

१ निर्धारित पाठ्यपुस्तक/रचनाओं से व्याख्या के लिए ८ अवतरण दिये जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ७ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २८ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं तथा अज्ञेय पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न २० अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१४ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जनवरी २०१३ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
षष्ठ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

नोट : सोलहवाँ प्रश्नपत्र विकल्पों का है । निम्नलिखित तीन विकल्पों में से किसी एक विकल्प का चयन विद्यार्थियों को करना होगा । तीनों विकल्प इस प्रकार हैं-

सोलहवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट लेखक : विकल्प-१ : उपन्यासकार प्रेमचन्द
सोलहवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट लेखक : विकल्प-२ : नाटककार जयशंकर प्रसाद
सोलहवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट लेखक : विकल्प-३ : निबन्धकार आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

सोलहवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट लेखक : विकल्प-१ : उपन्यासकार प्रेमचन्द

खण्ड-(क) : निर्धारित पाठ्यपुस्तक
निर्धारित उपन्यास
१ रंगभूमि – प्रेमचन्द
२ सेवासदन – प्रेमचन्द

खण्ड-(ख) : निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न
प्रेमचन्द का जीवन
प्रेमचन्द का समय
प्रेमचन्द का उपन्यास साहित्य

निर्धारित उपन्यासों पर निम्नलिखित प्रश्न पूछे जायेंगे–
प्रतिपाद्य, चरित्र–चित्रण, युगीन समस्या–निरूपण, गांधीवादी चेतना

निर्देश--

१ निर्धारित पाठ्यपुस्तकों में से व्याख्या के लिए ८ अवतरण दिये जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थिया को किन्हीं चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ७ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २८ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ दोनों पाठ्य पुस्तकों एवं उन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न २० अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१४ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जनवरी २०१३ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
षष्ठ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

सोलहवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट लेखक : विकल्प-२ : नाटककार जयशंकर प्रसाद

खण्ड-(क) : निर्धारित पाठ्यपुस्तक
निर्धारित नाटक

१ अजातशत्रु – जयशंकर प्रसाद
२ ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद

खण्ड-(ख) : निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

- प्रसाद का जीवन
- प्रसाद का समय
- प्रसाद का नाट्य साहित्य : सामान्य परिचय
- निर्धारित नाटकों पर निम्नलिखित प्रश्न पूछे जायेंगे–
  प्रतिपाद्य, चरित्र–चित्रण, इतिहास और कल्पना का योग, अभिनेयता
- हिन्दी नाट्य परम्परा को प्रसाद का योगदान

निर्देश--

१ निर्धारित पाठ्यपुस्तकों में से व्याख्या के लिए ८ अवतरण दिये जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ७ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २८ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ दोनों पाठ्य पुस्तकों एवं उन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न २० अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१४ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जनवरी २०१३ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
षष्ठ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

सोलहवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट लेखक : विकल्प-३ : निबन्धकार आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

खण्ड-(क) : निर्धारित पाठ्यपुस्तक

चिन्तामणि भाग–१ : रामचन्द्र शुक्ल
इस पुस्तक से निम्नलिखित निबन्ध पाठ्यक्रम में शामिल किये जाते हैं–
१ भाव या मनोविकार
२ उत्साह
३ श्रद्धा–भक्ति
४ करुणा
५ लज्जा और ग्लानि
६ लोभ और प्रीति
७ घृणा
८ ईर्ष्या
९ भय
१० क्रोध
११ कविता क्या है ?
१२ काव्य में लोक मंगल की साधनावस्था

खण्ड-(ख) : निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

- आचार्य शुक्ल का जीवन
- आचार्य शुक्ल का युग
- आचार्य शुक्ल का निबन्ध साहित्य
- पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्धों का प्रतिपाद्य और शिल्प
- हिन्दी निबन्ध परम्परा को शुक्ल का योगदान

निर्देश

१ निर्धारित पाठ्यपुस्तक/निबन्धों में से व्याख्या के लिए ८ अवतरण दिये जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ७ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २८ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परोक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ पाठ्य पुस्तक एवं लेखक पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें स परीक्षार्थियों को किन्हीं पांच प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न २० अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।